मंगल ग्रह का रत्न

मूंगा (Coral) मंगल ग्रह का रत्न है, और मंगल ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध मूंगा रत्न धारण करने के परिणाम तीन वर्ष तक प्राप्त होते हैं। शुद्ध मूंगा रत्न के अभाव में मंगल ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- संगमूंगी, विद्रुम मणि, लाल ओनेक्स या हकीक आदि।

मूंगा रत्न की सामान्य पहचान

मूंगा रत्न देखने में सिन्दूरी (लाल), चमकदार होता है। हाथ में लेने पर चिकना और हल्का होता है।

मूंगा रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

मूंगे रत्न के ऊपर पानी की बूंद रखने पर पानी की बूंद बनी रहती है, बिखरती नही है। समुद्री लकड़ी होने के कारण रेती से रगड़ने पर लकड़ी की ही तरह आवाज आती है, कडकड़ाहट (कांच) की आवाज नही आती, आजकल प्लास्टिक के नकली मूंगे भी पहचान में नही आते, यदि इनको लोहे की गरम तार से छू लें तो ये प्लास्टिक की तरह जल जातें हैं।

मूंगा रत्न धारण करने की विधि

मूंगा रत्न को सोने, चांदी या तांबे की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या शुक्ल पक्ष के मंगलवार या मंगल की होरा में या मंगल ग्रह के नक्षत्र वाले दिन सूर्योदय के बाद और सुबह ग्यारह बजे के बीच अनामिका अंगुली (ring finger) में धारण करना चाहिये।

मूंगा रत्न धारण करने के लाभ

जन्म पत्रिका में मंगल ग्रह के स्वामित्व भाव, मंगल ग्रह के स्थित भाव, मंगल ग्रह की दृष्टि और मंगल ग्रह की दशा आदि में मंगल ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ानें और अशुभ प्रभावों को कम करने में मूंगा रत्न सहायक होता है, साथ ही भूमि और मातृ संबंधित सुख और लाभ, रक्त विकार, अस्थि और मज्जा रोगों से बचाव और निर्णय लेने की क्षमता, पराक्रम और साहस को बढ़ानें में भी सहायक सिद्ध होता है।

मूंगा रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

मूंगा रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि मूंगा रत्न आपके शरीर को छू सके। मूंगा रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम मंगलवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और मंगलवार के दिन यथा शक्ति मंगल ग्रह का मंत्र जप करें। मूंगा रत्न स्त्रियों के लिए बांए हाथ की अनामिका अंगुली (ring finger) में धारण करने का विधान है। **मूंगा रत्न धारण करनें के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**